इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2047
जिसका उत्तर 11 फरवरी, 2026 को दिया जाना है ।
22 माघ, 1947 (शक)

महाराष्ट्र में एसटीपीआई योजना के अंतर्गत इनक्यूबेशन केंद्रों की स्थापना

2047. डॉ. अमोल रामसिंग कोल्हेः

क्या **इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

क. विगत पांच वर्षों के दौरान महाराष्ट्र में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) योजना के अंतर्गत स्थापित इनक्यूबेशन केंद्रों की संख्या कितनी है और इनक्यूबेटेड स्टार्टअप्स, सृजित रोजगार, विकसित उत्पादों और दाखिल किए गए पेटेंट/आईपीआर के संदर्भ में अब तक क्या ठोस परिणाम प्राप्त हुए हैं;
ख. क्या सरकार का महाराष्ट्र के टियर-2 और टियर-3 शहरों में एसटीपीआई इनक्यूबेशन योजना को मजबूत करने का विचार है और यदि हां, तो चिन्हित शहरों, समय-सीमा और बजटीय सहायता का ब्यौरा क्या है;
ग. महाराष्ट्र में एसटीपीआई इनक्यूबेशन योजना के कार्यान्वयन में क्या प्रमुख समस्याएं और चुनौतियां आई हैं और मौजूदा सॉफ्टवेयर पार्कों से क्या प्रतिक्रिया प्राप्त हुई है;
घ. क्या सरकार पुणे के हिंजवाड़ी स्थित राजीव गांधी इन्फोटेक पार्क में मौजूद गंभीर भौतिक अवसंरचना संबंधी बाधाओं से अवगत है, जो आईटी इकाइयों और स्टार्टअप्स को प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर रही हैं; और
ङ. केंद्र सरकार ने इन अवसंरचना संबंधी चुनौतियों का समाधान करने और इस क्षेत्र में आईटी पारिस्थितिकी तंत्र के सुचारू संचालन और विकास को सुनिश्चित करने के लिए महाराष्ट्र राज्य सरकार के समन्वय से क्या कदम उठाए हैं?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क) से **(ग)**: भारत सरकार छोटे शहरों और कस्बों सहित पूरे भारत में सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। इस पहल के एक भाग के रूप में, टियर-2 और टियर-3 शहरों में 60 केंद्रों के साथ पूरे भारत के 68 शहरों में सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क स्थापित किए गए हैं। एसटीपीआई केंद्र इनक्यूबेशन सेवाएं, हाई स्पीड डेटा संचार सेवाएं, क्लाउड सेवाएं और अन्य वैधानिक सहायता सेवाएं प्रदान करते हैं।

वर्तमान में, महाराष्ट्र में पुणे, मुंबई, नागपुर, नासिक, कोल्हापुर और छत्रपति संभाजी नगर में छह सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) केंद्र चालू हैं, जिनमें कुल 1,148 प्लग-एंड-प्ले सीटें हैं।

पिछले पांच वर्षों के दौरान, महाराष्ट्र में एसटीपीआई-पंजीकृत इकाइयों ने लगभग 8.58 लाख करोड़ रुपये का निर्यात हासिल किया है। इसके अलावा, इन एसटीपीआई केंद्रों में 93 स्टार्टअप/इकाइयों को इनक्यूबेट किया गया है, और 53 स्टार्टअप/इकाइयां वर्तमान में इनक्यूबेशन के अंतर्गत हैं, जिससे 1,194 रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं।

इसके अतिरिक्त, राज्य में दो उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) – सीओई फॉर ऑटोमोटिव : पुणे में स्वायत्त/कनेक्टेड/इलेक्ट्रिक/साझा वाहन और अकोला में कृषि में आईओटी के लिए सीओई, स्थापित किए

गए हैं। इन सीओई के माध्यम से, 93 स्टार्टअप को सहयोग दिया गया है, जिससे 160 उत्पादों का विकास हुआ है, 128 आईपीआर दाखिल हुए हैं और 946 रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं।

(घ) से (ङ): अवसंरचना विकास के भाग के रूप में, महाराष्ट्र सरकार ने पुणे महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (पीएमआरडीए) के माध्यम से राजीव गांधी इन्फोटेक पार्क (आरजीआईपी), हिंजवाड़ी, पुणे से शिवाजीनगर, पुणे तक एक मेट्रो रेल परियोजना शुरू की है। परियोजना की कुल लंबाई 23.30 किमी है, जिसमें से लगभग 7.59 किमी आरजीआईपी क्षेत्र में आती है। इस कॉरिडोर पर 23 स्टेशन प्रस्तावित हैं, जिनमें राजीव गांधी इंफोटेक पार्क, हिंजवाड़ी के भीतर 8 स्टेशन शामिल हैं। इस परियोजना के पूरा होने पर क्षेत्र में सड़क पर होने वाली भीड़ में काफी कमी आने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, पीएमआरडीए द्वारा आरजीआईपी सीमाओं के भीतर मेट्रो संरेखण के अंतर्गत सड़कों का डामरीकरण भी किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त, महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) ने आरजीआईपी, हिंजवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र में अवसंरचना संबंधी मुद्दों को कम करने के लिए विभिन्न उपाय किए हैं, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं -

- सड़कों के चौड़ीकरण और फुटपाथों के सुधार सहित मौजूदा अवसंरचना का उन्नयन।
- पैदल यात्रियों की सुरक्षित आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए पैदल यात्री फुटओवर ब्रिज (स्काईवॉक) के निर्माण का प्रस्ताव।
- जल आपूर्ति आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वर्तमान जल आपूर्ति योजना को 24 मिलियन लीटर प्रति दिन से बढ़ाकर 48 मिलियन लीटर प्रति दिन करना।
- अवसंरचना सुविधाओं के रखरखाव हेतु मरम्मत कार्यों को पूरा करना और वार्षिक रखरखाव अनुबंध (एएमसी) लागू करना।
- वैकल्पिक संपर्क मार्ग के रूप में बानेर से हिंजवाड़ी तक छह लेन की सड़क का निर्माण।

*****